दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 17 अगस्त 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 317

महत्वपूर्ण एवं खास

हैती में भूकंप के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 1297

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती में शनिवार की सुबह आये भूकंप के जबरदस्त झटकों के कारण कम से कम 1,297 लोगों की मौत हो गई। देश की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने रविवार को अपडेटेड वक्तव्य में इस आशय की जानकारी दी। एजेंसी ने मौतों का एक सांख्यिकीय विश्लेषण पोस्ट किया, जिसमें कहा गया है कि सूद (क्षेत्र) में 1,054 मौतें, ग्रैंड%एन्स (क्षेत्र) में 119, निप्स (क्षेत्र) में 122 और नॉर्ड-ऑएस्ट (क्षेत्र) में दो मौतें दर्ज की गई हैं। एजेंसी के मुताबिक घायलों की संख्या दोगुनी से अधिक 5,700 से अधिक है। इससे पहले एजेंसी ने शनिवार को बताया था कि भूकंप के कारण 724 लोगों की मौत हुई है तथा 2,800 से अधिक लोग घायल हैं।

टोक्यो जा रहे भारतीय पैरा एथलीटों से बातचीत करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टोक्यो पैरा ओलंपिक खेलों में भाग लेने जापान जा रहे 54 भारतीय पैरा एथलीटों से मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बातचीत करेंगे। जापान में होने वाले टोक्यो पैरा ओलंपिक खेल 2020, 24 अगस्त से 5 सितंबर तक आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार टोक्यो में नौ अलग-अलग खेलों में 54 पैरा एथलीट हिस्सा लेंगे और भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। पीएमओ द्वारा रविवार को जारी बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी टोक्यो पैरा ओलंपिक खेल 2020 में भाग लेने जा रहे एथलीटों से 17 अगस्त की सुबह 11 बजे वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बातचीत करेंगे। इसमें कहा गया है कि यह भारत से पैरा ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली सबसे बड़ी टोली है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी इस बातचीत के दौरान उपस्थित रहेंगे।

धारदार हथियार से सास, ससुर और पत्नी की हत्या

सीवान (आरएनएस)। बिहार के सीवान जिले के दरौंदा थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई है। आरोप है कि एक सिरफिरे ने अपने ही सास, ससुर और पत्नी की हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस प्रथम दृष्ट्या इसे पारिवारिक विवाद से जोड़कर देख रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि दरौंदा के भीखाबांध गांव के कुम्हरा टोला में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी गई। आरोप है कि मुबारक अली पहले अपने ससुराल भीखाबांध में ही रहकर ऑटो चलाता था, उसके बाद वह यहां से चला गया। आठ दिन पूर्व एक बार फिर वह यहां आया था। रविवार की देर रात किसी बात को लेकर दामाद से सास और ससुर का विवाद हुआ। उसके बाद दामाद ने धारदार हथियार से वार कर ससुर, सास और पत्नी की हत्या कर दी और फरार हो गया। दरौंदा के थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। मृतकों मृतकों में अलसेन साई (75), नजमा खातून (70) और नसीमा खातून (30) शामिल है। उन्होंने बताया कि हत्या के कारणों का अब तक सही जानकारी नहीं मिल पाया है। प्रथम दृष्ट्या हत्या का कारण पारिवारिक विवाद प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी शवों को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दी है तथा पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से आरोपी फरार है।

मोदी ने अटल बिहारी वाजपेई को श्रद्धांजलि की अर्पित

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं में शुमार रहे अटल बिहारी वाजपेई को सोमवार को उनकी समाधि पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने सोमवार को एक्टिवेट संदेश में कहा,हम उनके गर्मजोशी से भरे व्यक्तित्व को याद करते हैं, हम उनके प्रेम से शराब और स्वभाव को याद करते हैं, हम उनकी समझदारी और विनोदी स्वभाव को याद करते हैं, हम राष्ट्र की प्रगति में उनके योगदान को याद करते हैं। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा,अटल जी देश के नागरिकों के दिल में और दिमाग में बसते हैं। आज उनकी पुण्यतिथि पर सदैव अटल जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मानव जाति के सामने आने वाली चुनौतियों को हल करने अनूठे समाधान प्रस्तुत करें वैज्ञानिक: नायडू

बेंगलुरु (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने वैज्ञानिकों से मानव जाति के सामने आने वाली जलवायु परिवर्तन से लेकर कृषि से लेकर स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए अनूठे समाधान प्रस्तुत करने की अपील की।

बेंगलुरु में जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएएसआर) में वैज्ञानिकों और छात्रों को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने वैज्ञानिकों से उत्कृष्टता हासिल करने और लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए नवोन्मेषण के लिए प्रयास करने की अपील की। उन्होंने दोहराया विज्ञान का उद्देश्य लोगों के जीवन को सुखी, स्वस्थ और आरामदायक बनाना है।

इस बात पर जोर देते हुए कि वैज्ञानिक अनुसंधान समाज के लिए प्रासंगिक होना चाहिए, उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में अनुवाद संबंधी शोध का बहुत महत्व है। उन्होंने 300 से अधिक पेटेंट सृजित करने और स्वदेशी आविष्कारों पर आधारित कुछ स्टार्टअप की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए जेएनसीएएसआर की सराहना की।

यह नोट करते हुए कि जेएनसीएएसआर को व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए जाना जाता है, उन्होंने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को सिंथेटिक जीव विज्ञान, कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान, हाई-परफोरमेंस इंजीनियरिंग सामग्रियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नए उभरते क्षेत्रों में शोध करने का सुझाव दिया। उपराष्ट्रपति ने कृषि को देश की मूल संस्कृति बताते हुए इच्छा जताई कि वैज्ञानिकों को अपना ध्यान कृषक समुदाय के सामने आने वाले मुद्दों पर केंद्रित करना चाहिए।

यह देखते हुए कि विज्ञान किसी भी देश की प्रगति और तकनीकी उन्नति के लिए रीढ़ की हड्डी है, उपराष्ट्रपति ने भारत के विशाल जनसांख्यिकीय लाभांश का उल्लेख किया और कहा कि सामाजिक समस्याओं का समाधान करने के लिए अभी समय की आवश्यकता यह है कि कम उम्र से ही वैज्ञानिक सोच विकसित की जाये और विश्व स्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाये।

अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में शीर्ष संस्थानों के बीच खुद की मजबूत स्थिति बनाने के जरिये अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र पर उत्कृष्ट प्रभाव डालने के लिए जेएनसीएएसआर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और अनुसंधान परिणामों में सुधार करने की दिशा में बहुत योगदान दे सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करेगी कि छात्रों को सभी क्षेत्रों में नई अध्यापन और अध्ययन की कार्यनीतियों की सुविधा प्राप्त हो। उन्होंने कहा, यह सही शैक्षिक प्रणाली का निर्माण करेगी और न केवल उनके ज्ञान के आधार को समृद्ध करेगी बल्कि उनका कौशल भी बढ़ायेगी।

उपराष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में कोई कसर न छोड़ें। उन्होंने सुझाव दिया, कृपया याद रखें कि कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। आपको हमेशा अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए और कभी भी यथास्थिति से संतुष्ट या उदासीन नहीं होना चाहिए।

24 अगस्त तक बढ़ा उत्तराखंड में कोविड कर्फ्यू

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में कोविड कर्फ्यू एक हफ्ते के लिए बढ़ाकर 24 अगस्त सुबह छह बजे तक कर दिया गया है। दूसरे राज्यों से उत्तराखंड आने वालों के लिए कोरोना आरटीपीसीआर नेगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य की गई है। साथ ही, टूरिस्टों के लिए स्मार्ट सिटी की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन भी अनिवार्य किया गया है। सरकारी प्रवक्ता सुबोध उनियाल ने बताया कि कर्फ्यू को एक हफ्ते बढ़ाया गया है। कहा कि पुलिस-प्रशासन को निर्देश दिया है कि कोविड गाइडलाइन्स का सख्ती से पालन करवाया जाए। घर से बाहर बिना मास्क घूमने वाले लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाए। उत्तराखंड सरकार ने पिछले हफ्ते की कोविड कर्फ्यू की गाइडलाइन्स को यथावत 24 अगस्त तक के लिए लागू किया है। राज्य में कोरोना संक्रमण की दर में हालांकि काफी गिरावट आ चुकी है, लेकिन सरकार अभी भी कुछ बंदिशें हटाने के पक्ष में नहीं है। जिन व्यक्तियों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज 15 दिन पूर्व लग चुकी है और यदि वह इसका प्रमाण पत्र दिखाते हैं तो उन्हें एअरपोर्ट, रेलवे स्टेशन या फिर राज्य की सीमा पर प्रवेश की अनुमति रहेगी, जबकि जो व्यक्ति यह प्रमाण पत्र नहीं दिखा सकेंगे, उन्हें 72 घंटे पूर्व की आरटीपीसीआर, ट्रूनेट व एंटीजन जांच की नेगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य रूप से दिखानी होगी।

आदेश में कहा गया है कि व्यापारिक प्रतिष्ठान प्रत्येक दिन रात नौ बजे अनिवार्य रूप से बंद हो जाएंगे, जबकि होटल व रेस्टोरेंट के लिए रात दस बजे तक का समय निर्धारित किया है। वीकेंड पर पर्यटक स्थलों पर भीड़भाड़ पर रोक लगाने के लिए सभी जिलाधिकारियों को अधिकार दिए गए हैं। राज्य के भीतर विभिन्न जिलों में आवाजाही के लिए कोई प्रतिबंध नहीं रखा गया है, अलबत्ता लोगों को कोविड गाइड लाइन का पालन करना जरूरी होगा।

देश में कोरोना से मिली कुछ राहत

» 24 घंटे में 32937 नए मामले, 417 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना महामारी के उतार चढ़ाव जारी है। सोमवार को कोरोना के मामले में कमी के साथ-साथ मृतकों की संख्या में भी कमी देखी गई। यानि बीते 24 घंटे में कोरोना के 32,937 नए मामले आए हैं जबकि 417 लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के जारी आंकड़ो के अनुसार पिछले 24 घंटे में संक्रमण के आए मामलों से ज्यादा इस दौरान 35,909 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट गए हैं। देश में सक्री मरीजों की संख्या 3,81,947 है। वहीं देश में कुल मृतकों की संख्या की बात करें तो यह 4,31,642 हो गई है और अब तक कुल स्वस्थ मरीजों की संख्या 31411924 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, रविवार को बीते 24 घंटे में कोरोना के 36,083 नए मामले आए थे जबकि 493 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 37,927 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट गए थे। वहीं एक्टिव मरीजों की संख्या 3,85,336 थी।

रविवार को केरल के मलप्पुरम, तृश्शूर, कोझीकोड, एर्णाकुलम में सबसे ज्यादा मरीज सामने आए। यहां दो हजार से ज्यादा कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई। केरल के सभी राज्यों में 4,99,000 मरीजों का इलाज चल रहा है। इसमें 27,636 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। राष्ट्रीय महामारी नियंत्रण केंद्र के अधिकारियों के साथ केरल पहुंच रहे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने एएनआई को बताया कि केरल में वह मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैठक करेंगे।

पेगासस विवाद पर केंद्र की दलील से संतुष्ट नहीं सुप्रीम कोर्ट

» केंद्र ने कहा-छिपाने के लिए कुछ भी नहीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पेगासस जासूसी के आरोपों को लेकर स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाएं अटकलों और अनुमानों के साथ-साथ मीडिया में आई अपुष्ट खबरों पर आधारित हैं। विशेषज्ञों का एक समूह उठाए गए सभी मुद्दों की जांच करेगा। चीफ जस्टिस एनवी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की पीठ के समक्ष दायर

हलफनामे में सरकार ने अपना पक्ष रखा। सरकार ने कहा कि केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव पहले ही कथित पेगासस जासूसी मुद्दे पर संसद में रुख स्पष्ट कर चुके हैं।

हलफनामे में कहा गया, उपर्युक्त याचिका और संबंधित याचिकाओं के अवलोकन भर से यह स्पष्ट हो जाता है कि वे अटकलों, अनुमानों तथा अन्य अपुष्ट मीडिया खबरों तथा अपूर्ण या अप्रमाणिक सामग्री पर आधारित हैं।हलफनामे में कहा गया कि कुछ निहित स्वार्थों द्वारा दिए गए किसी भी गलत विमर्श को दूर करने और उठाए गए मुद्दों की जांच करने के उद्देश्य से विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया जाएगा। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि वह दिन के अंत में इसे देखेगी। केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे एसजी तुषार मेहता से सीजेआई ने कहा कि यह एक सीमित हलफनामा है। इन आरोपों से संतुष्ट नहीं है कि पेगासस का इस्तेमाल किया गया था या नहीं। जब तक आप जानकारी नहीं देते हम सुनवाई नहीं कर सकते। हम आपको विस्तृत हलफनामे के लिए समय दे सकते हैं और समिति की संभावना तय करें।

पेगासस मामले में बनेगी जांच समिति- एसजी तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हम एक संवेदनशील मामले से निपट रहे हैं लेकिन इसे सनसनीखेज बनाने की कोशिश की जा रही है। इस मामले के राष्ट्रीय सुरक्षा निहितार्थ होंगे।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने छोड़ा देश

» तालिबान के लड़ाकों ने राष्ट्रपति भवन पर किया कब्जा

काबुल । काबुल, अल-जजीरा न्यूज नेटवर्क पर प्रसारित वीडियो फुटेज के अनुसार यहां अफगानिस्तान के राष्ट्रपति भवन पर तालिबान लड़ाकों का कब्जा हो गया है। फुटेज में तालिबान लड़ाकों का एक बड़ा समूह राजधानी काबुल में स्थित राष्ट्रपति भवन के भीतर नजर आ रहा है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर अपने कब्जे की घोषणा राष्ट्रपति भवन से करने और देश को फिर से 'इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान' का नाम देने की उम्मीद है।

बीस साल की लंबी लड़ाई के बाद अमेरिकी सेना के अफगानिस्तान से निकलने के कुछ ही दिनों के भीतर

लगभग पूरे देश पर फिर से तालिबान का कब्जा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) एस्टोनिया और नॉर्वे के अनुरोध पर अफगानिस्तान की स्थिति पर सोमवार को आपात बैठक करेगी।

परिषद के राजनयिकों ने रविवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस परिषद के सदस्यों को राजधानी काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद के ताजा हालात से अवगत कराएंगे। गौरतलब है कि सुबह काबुल पर तालिबान लड़ाकों की दस्तक के बाद राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया। वहीं देशवासी और विदेशी भी युद्धग्रस्त देश से निकलने को प्रयासरत हैं, हालांकि काबुल हवाईअड्डे से वाणिज्यिक उड़ानें बंद होने के कारण लोगों की इन कोशिशों को झटका लगा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के अनुसार, अमेरिका काबुल स्थित अपने दूतावास से शेष कर्मचारियों को व्यवस्थित तरीके से बाहर निकाल रहा है। हालांकि, उन्होंने जल्दीबाजी में अमेरिका के वहां से निकलने के आरोपों को तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि यह वियतनाम की पुनरावृत्ति नहीं है।

एबीसी चैनल के 'द वीक' पर रविवार को ब्लिंकन ने कहा, ''हमारे लोग परिसर को छोड़ रहे हैं और हवाईअड्डा जा रहे हैं।''

उन्होंने इसकी पुष्टि भी की कि अमेरिकी दूतावास के कर्मचारी परिसर खाली करने से पहले दस्तावेज और अन्य सामग्री को नष्ट कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ''यह बहुत सोच-समझकर और सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। यह सबकुछ अमेरिकी बलों की उपस्थिति में हो रहा है, जो वहां हमारी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।'' काबुल स्थिति अमेरिकी दूतावास खाली करने के क्रम में रविवार को परिसर से सैन्य हेलीकॉप्टर लगातार उड़ान भरते रहे।

नागरिक इस भय से देश छोड़ना चाहते हैं कि तालिबान उस क्रूर शासन को फिर से लागू कर सकता है जिसमें महिलाओं के अधिकार खत्म हो जाएंगे।

काबुल से 129 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया की फ्लाइट दिल्ली पहुंची

नईदिल्ली (आरएनएस)। काबुल से 129 यात्रियों को लेकर एयर इंडिया का एक विमान रविवार शाम दिल्ली पहुंच गया। एआई 244 ने शाम 6.06 बजे उड़ान भरी थी। रविवार को काबुल हवाईअड्डे से जब तालिबान अफगानिस्तान की राजधानी पहुंचे और वे अब सत्ता संभालने के करीब हैं। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया, हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और फिलहाल काबुल के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें जारी रखे हुए हैं। इसके अलावा, अधिकारी ने कहा कि काबुल के लिए अगली उड़ान सोमवार को सुबह 8.50 बजे उड़ान भरने वाली है।

अफगानिस्तान की स्थिति पर निराशा व्यक्त करते हुए विमान में सवार एक महिला ने कहा कि दुनिया ने अफगानिस्तान को उसके हाल पर छोड़ दिया है। हमारे दोस्त मारे जा रहे हैं। यात्रियों में काबुल में भारतीय दूतावास में तैनात राजनयिक और सुरक्षा अधिकारी भी शामिल हैं। अफगानिस्तान में स्थिति रविवार को और भी खराब हो गई, क्योंकि काबुल पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है। इसके अलावा, राष्ट्रपति अशरफ गनी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हमदुल्ला मुहिब और राष्ट्रपति फजल महमूद फाजली के प्रशासनिक कार्यालय के प्रमुख के साथ ताजिकिस्तान के लिए अफगानिस्तान से रवाना हुए।

भारत जी-20 देशों में इकलौता देश जो जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बढ़ रहा आगे

» लाल किले की प्राचीर से बोले पीएम मोदी

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कहा कि भारत जी-20 देशों के समूह में इकलौता देश है जो अपने जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की तरह ही पर्यावरणीय सुरक्षा को भी बराबर का महत्व दे रहा है. मोदी ने कहा कि भारत ने विद्युत गतिशीलता की ओर कदम बढ़ा दिया है और रेलवे के 100 फीसदी विद्युतीकरण पर काम तेज गति

से हो रहा है. उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे ने 2030 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है. उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों के साथ ही देश 'मिशन सर्कुलर इकोनमी' पर भी काम कर रहा है.

प्रधानमंत्री ने लाल किले पर अपने भाषण में कहा, ''हमारी वाहन स्क्रैप नीति इसका बड़ा उदाहरण है. आज भारत जी-20 देशों में इकलौता देश है जो अपने जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने की ओर तेजी से बढ़ रहा है.'' मोदी ने कहा कि भारत पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में मुखर रहा है. उन्होंने कहा, ''हम राष्ट्रीय सुरक्षा की तरह ही पर्यावरणीय सुरक्षा पर भी बराबर जोर दे रहे हैं. चाहे जैव विविधता हो या भू-तटस्थता, जलवायु परिवर्तन हो या कचरा पुनर्चक्रण, जैविक खेती हो, भारत इन सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है.''

उन्होंने कहा, ''भारत ने वन क्षेत्र या राष्ट्रीय उद्यानों, बाघों और एशियाई शेरों की संख्या बढ़ायी है तथा यह लोगों के लिए खुशी की बात है. साथ ही सभी को एक और सच्चाई समझनी होगी कि भारत आज ऊर्जा के क्षेत्र में स्वतंत्र नहीं है.'' उन्होंने कहा कि भारत ने ऊर्जा के आयात के लिए हर साल 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं. उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता वक्त की जरूरत है, भारत को आत्म निर्भर बनाने के लिए आवश्यक है.

मोदी ने कहा, ''अतः भारत को आज एक संकल्प लेना होगा कि हम आजादी के 100 वर्ष पूरे होने से पहले देश को ऊर्जा के क्षेत्र में स्वतंत्र बनाएंगे और इसके लिए हमारी रूपरेखा स्पष्ट है. चाहे गैस पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, देशभर में सीएनजी, पीएनजी का नेटवर्क, 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य हो, भारत एक उद्देश्य के साथ आगे बढ़ रहा है.'' उन्होंने बताया कि भारत ने इस दशक के अंत तक 450 गीगावॉट नवीनीकरण ऊर्जा का लक्ष्य तय किया है. उन्होंने कहा, ''इसमें से भारत ने 100 गीगावॉट का लक्ष्य तय कर लिया है. ये प्रयास दुनिया को भी भरोसा दे रहे हैं. अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का गठन इसका महान उदाहरण है.''

पीएम मोदी ने राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन की भी घोषणा की

मोदी ने हरित हाइड्रोजन का लक्ष्य हासिल करने के लिए राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन की भी घोषणा की. उन्होंने कहा, ''हमें अमृत अवधि के दौरान भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और निर्यात का वैश्विक हब बनाना होगा. यह भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नयी प्रगति के मार्ग पर ले जाएगा तथा दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के लिए नयी प्रेरणा बनेगा.''

उन्होंने कहा कि भारत को अपना विनिर्माण और निर्यात दोनों बढ़ाना होगा. उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले ही भारत ने पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का समुद्र में परीक्षण किया. उन्होंने कहा, ''आज भारत अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान, पनडुब्बी बना रहा है.